श्री सर्वदेव वन्दना

(तर्ज : धमाल)

मान्ड्यो श्याम को रंगीलो उत्सव सगला आज्यो रे,
सगला आज्यो, सगला आज्यो, सगला आज्यो रे ।।

एक तो संदेशो जाके गणपत जी ने दीज्यो रे,
उत्सव मांही रिद्ध सिद्ध सागे आता रहिज्यो रे ।। १ ।।

दूसरो संदेशो जाके शंकर जी ने दीज्यो रे,
गोरां, गण और नन्दी सागे आता रहिज्यो रे ।। २ ।।

तीसरो संदेशो जाके रघुनन्दन ने दीज्यो रे,
लिक्षमण, सीता, हनुमत सागे आता रहिज्यो रे ।। ३ ।।

चौथोड़ो संदेशो जाके अटल क्षत्र पै दीज्यो रे,
दुर्गा, काली, उमा, शारदा आता रहिज्यो रे ।। ४ ।।

आखिरी संदेशो जाके सब देवां ने दीज्यो रे,
'हर्ष' श्याम के उत्सव माही बेगा आज्यो रे ।। ५।।

(तर्ज : आयो सावणियो जरा सी गोरी...)

दोहा : पीली पीली पागड़ी पे, मलस्याँ लाल गुलाल ।
मेलो आयो बावला, बेगो खाटू चाल ।।

आयो फागणियो उठाल्यो, थारे हाथाँ में निशान,
आयो फागणियो ।। टेर ।।

खाटूवालो बाबो थाने, ''हेला मार बुलावे''-२, थाने,
फागणिये के मेले मांही, ''कैयां देर लगावे''-२, सेवक,
इब तो छोड़ के-२, सै काम मेरे सागे चालो रे,
आयो फागणियो... ।। १ ।।

पचरंगा निशान उठाकर, ''खाटू पैदल जास्याँ''-२, आपाँ,
नाचाँ कूदाँ मौज मनावाँ, ''मीठा भजन सुणास्याँ''-२, आपाँ,
क्याँकि आँट रे-२, भगत बेगा बेगा हालो रे,
आयो फागणियो... ।। २ ।।

फागणिये में श्याम धणी को, ''मेलो भारी लागे''-२, भाया,
मतना सोच विचार करे तू, ''होले मेरे सागे''-२, भाया,
'हर्ष' चालो रे-२, भगत जाके घूमर घालो रे,
आयो फागणियो... ।। ३ ।।

(तर्ज : ताऊ बाँध ले सामान...)

देख देख भगतां ने मन में लाडू फुटे सै-२,
इब तो सुपणे मैं भी स्याणी मन्ने खाटू दिखे सै ।। टेर ।।

काम काज में जी ना लागे, मेला नेड़े आग्या,
देख जाटणी मेरे पै के, रोग कसुता लाग्या,
खेतां मांही काम करूं तो देही टुटे सै,
इब तो सुपणे... ।। १ ।।

ऐसा प्रेम बढ़ाया इसतै, मेरा बैरी बणग्या,
लाख भुलाणां चाहूँ पर यो, गहरा भीतर बड़ग्या,
इब तो मेरा जीवन भर ना पिण्डा छुटे सै,
इब तो सुपणे... ।। २ ।।

साँची बात बताऊँ इसतै, प्रेम कदे ना करियो,
'हर्ष' कदे ना छोडेगा यो, चक्कर में ना पड़ियो,
देख साँवरा बान्ध लिया, भई मन्ने खुँटे सै,
इब तो सुपणे... ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : धमाल)

सुणले बिणजारा म्हारो कर दीजे इक भोत जरूरी काम,
खाटू जाके श्याम सूं म्हारा, कहिजे राम राम ।। टेर ।।

सेठ श्याम सूं जाकर कहिये,चाकर थारो तरसे जी,
दरसण ताँई ओल्यूँ आवे, इबतो आठू याम ।। १ ।।

जेठ की दोपहरी जइयाँ, लाय बदन में लागी जी,
ठण्डक पड़सी श्याम कुण्ड में, न्हाकर सुबह-शाम ।। २ ।।

महर निजर पायक पै करद्यो, खाटू धाम बुलाल्यो जी,
मुण्डो खोलूं तो निकले जी, बस थारो ही नाम ।। ३ ।।

राम राम करतो डोलूं कद, श्याम को हेलो आवे जी,
'हर्ष' दास की आस पुराद्यो, के लागे थारा दाम ।। ४ ।।

(तर्ज : पार करो मेरा बेड़ा भवानी...)

आई बिरज में होली रे देखो, आई बिरज में होली,
भीगे रे राधा की चोली बिरज मे, आई बिरज में होली ।।

कुँज गलिन में शोर मचे है, रंग अबीर गुलाल उड़े है,
सखियों के संग राधा आई, ग्वालों के संग कृष्ण कन्हाई,
नाचे रे ग्वालों की टोली बिरज में, आई बिरज में होली ।। १ ।।

राधा ने ज्यूँ रंग लगाया, कान्हा ने उसे अंग लगाया,
मारी भरके जब पिचकारी, भीगी चुनरिया भीगी रे साड़ी,
छेड़े रे हमजोली बिरज में, आई बिरज में होली ।। २ ।।

राधा बोली सुनले रे कान्हा, होली का बस एक बहाना,
जान गई मैं तेरी शरारत, जाके करुँगी माँ से शिकायत,
मैं हूँ बिल्कुल भोली बिरज में, आई बिरज में होली।। ३ ।।

थामी कलाई बोले यूँ कान्हा, मुझको तो भाये तुझको सताना,
'हर्ष' हमारा जन्मों का बन्धन, आ गोरी रंगले होली में तन मन,
मारो ना नैनों से गोली बिरज में, आई बिरज में होली ।। ४ ।।

आयो फागणिये रंगीलो, हेलो मारे रे छबीलो-२,
चाल, खाटू नगरिया चालस्याँ ।। टेर ।।

पचरंगा निशान बणाओ जी, ज्याँपे बाबा को नाम लिखाओ जी,
ओऽऽऽ, हाथाँ में लेर ''आपाँ पैदल जावांगा जी''-२,
ढोलक ढफली चंग बजावाँ, झूमा नाचाँ मौज मनावाँ,
चाल, खाटू नगरिया चालस्याँ ।। १ ।।

लेल्यो रंगा सू भर पिचकारी जी, जाके रंग दीज्यो श्याम बिहारी जी,
ओऽऽऽ, बाबा सूं जाय ''आपां होली खेलांगा जी''-२,
अंतर केशर सूं नुहावाँ, गालाँ ऊपर रंग लगावाँ,
चाल, खाटू नगरिया चालस्याँ ।। २ ।।

बठे मेलो गजब को लागे जी, सारे घर का ने लेल्यो सागे जी,
ओऽऽऽ, मेले में जाय ''आपाँ मौज उड़ावांगा जी''-२,
'हर्ष' बैठ्या के विचारो, बाबो भरसी रे भण्डारो,
चाल, खाटू नगरिया चालस्याँ ।। ३ ।।

(तर्ज : चली काँवडियों की टोली...)

चढ़्यो फागणिये को रंग, देखो नाचे अंग अंग,
सारे गोकुल में मस्ती सी छाई रे,
कान्हों बासुँरिया जोर की बजाई रे ।।

करके इशारो कान्हों, राधा ने बुलावे, कान्हुड़े ने देख देख, राधा मुस्कावे,
भरी रंग पिचकारी-२, राधा कान्हुड़े पे मारी-२,
पीली पागड़ी ने केशरिया बणाई रे ।। कान्हों बांसुरिया... ।। १ ।।

रंग में रंग्योड़ो कान्हो, मुरली बजावे, मुरली बजाके राधा-राणी ने रिझावे,
राधा दौड़ी दौड़ी आई-२, सारी सुध बिसराई-२,
ऐसी मीठी मीठी तान सुणाई रे ।। कान्हो बांसुरिया... ।। २ ।।

राधा की चुनरिया जो, सिर सूं सरकगी,
घबराई राधे राणी, कान्हां सूं लिपटगी,
राधे होले सूं शर्माई-२, सारी गूजरियाँ मुस्काई-२,
श्याम राधे जी ने अंग लगाई रे ।। कान्हो बांसुरिया... ।। ३ ।।

सोणी सी या प्यारी जोड़ी, सै के मन भाई,
निजरां उतारो 'हर्ष' लेवो रे बलाई,
माची होली की हुड़दंग-२, बाजे ढफली व चंग-२,
नाचे गोकुल का लोग लुगाई रे ।। कान्हो बांसुरिया... ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : घड़लो थामले देवरिया...)

देखो श्याम की अटरिया, पर लहरावे निशान,
लीले वाले साँवरे की या ही है पिछाण ।। टेर ।।

टोल्याँ की टोल्याँ लेकर लाम्बी लाम्बा झण्डी-२, कोई आवे है ऽऽऽऽ
कोई ल्यावे म्हारे श्याम जी को प्यारो सो निशान,
लीले वाले साँवरे की या ही है पिछाण ।। १ ।।

रींगस सूँ लाखाँ सेवक खाटू पैदल आवे-२, कोई गूँजे है ऽऽऽऽ
कोई गूँजे असमाना में श्री श्याम की जैकार,
लीले वाले साँवरे की या ही पिछाण ।। २ ।।

फागण में श्याम जी को मेलो भारी लागे-२, कोई उड़े है ऽऽऽऽ
कोई उड़े देखो खाटू माँही रंग गुलाल,
लीले वाले साँवरे की या ही है पिछाण ।। ३ ।।

'हर्ष' भगत सारा झूमे नाचे गावै-२, कोई माचे रे ऽऽऽऽ
कोई माचे देखो खाटू जी मैं होली की धमाल,
लीले वाले साँवरे की या ही है पिछाण ।। ४ ।।

(तर्ज : मिसरी को बाग लगा दे रसिया...)

खाटू की टिकट कटादे रसिया,
श्याम की नगरिया प्यारी लागे ।। टेर ।।

रंग रंगीलो बठै श्याम विराजे, मोर छड़ी जाँके हाथां साजे,
मन मोहिणी-२, मुरत जादूगारी लागे,
श्याम की नगरिया प्यारी लागे ।। १ ।।

साँवलो सलुणों म्हारे हिवड़े भायो, म्हाँ पर गहरो रंग चढ़ायो,
या तो कान्हुड़े की-२, माया म्हाने सारी लागे,
श्याम की नगरिया प्यारी लागे ।। २ ।।

बेगी सी ढोला खाटू मैं जाऊँ, श्याम धणी रा दरशण पाऊँ,
म्हाने साँवरे की-२, सूरत कामणगारी लागे,
श्याम की नगरिया प्यारी लागे ।। ३ ।।

मैं तो इब म्हारे साँवरे के जास्यूँ,'हर्ष' भगत ने भी सागे ले जास्यूँ,
म्हारी श्याम जी सुँ-२, प्रीत पुराणी लागे,
श्याम की नगरिया प्यारी लागे ।। ४ ।।

(तर्ज : मेरा बाबू छैल छबिला...)

बेगी चाल जाटणी श्याम धणी के जाणां सै,
रोट बणाले, चूंटिया लगाले, मिलके खाणा सै ।। टेर।।

फागण में श्याम धणी का, मेला लागे भारी,
तन्ने सागे ले चालूं, बेगी करले त्यारी,
चूरमा बणाले, मेवे मिलाले, भोग लगाणा सै ।। १ ।।

बणिये के जाकर स्याणी, रेशमी कपड़ा ल्याऊँ,
मैं श्याम धणी का सोणा, एक निशान सिमाऊँ,
करले तू त्यारी, श्याम की अटारी, जाय चढ़ाणा सै ।। २ ।।

मैं दूध काढ कर ल्याया, तैं ताजा दही जमादे,
बाबा मखनी का भूखा, जाकर के भोग लगादे,
भजन सुणाके, ठुमके लगाके, श्याम रिझाणा सै ।। ३ ।।

खाटू में रंग उड़ेगा, फागण की रुत में भारी,
तैं 'हर्ष' चाल मेरे सागे, रंगणा सै श्याम बिहारी,
होले तू सागे, बाबा के जाके, रंग लगाणा सै ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज - उड़ - उड़ रे म्हारा काला..)

सुण-सुण रे म्हारा खाटु वाला धणिया,
फागणिये में म्हाने बुलाय लीजे, चरणां में थारे बिठाय लीजे ।।

रंग रंगीलो फागण आवे, भगतां रो मनड़ो ललचावे,
भगतां री आस पुराय दीजे, चरणां में थारे....

रिंगस सूं निशान उठास्याँ, पगाँ उभाणा थारे आस्याँ,
भगतां ने पार लगाय दीजे, चरणां में थारे....

ढपली चंग मजीरा बाजे, उछल उछल तेरा सेवक नाचे,
भगतां ने नाच नचाय लीजे, चरणां में थारे....

'हर्ष' कहवे फागण में भारी, माल लुटावे लखदातारी,
भगतां री झोली भराय दीजे, चरणां में थारे....

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज - बाई सां रा बीरा ....)

चालो जी भगतो, खाटू तो चालाँ जी,
फागणियो आय गयो, थाने श्याम बुलावे जी ।।

केशरिया रंग सूं, भरल्यो पिचकारी जी,
होली खेलण तांई, थाने श्याम बुलावे जी ।।

कोई रंग बिरंगी, ध्वजा उठाल्यो जी,
मेलो देखण तांई, थाने श्याम बुलावे जी ।।

थे ढोलक ढपली, चंग बजाओ जी,
कोई नाचण के ताईं, थाने श्याम बुलावे जी ।।

घर का ने 'हर्ष', सागे ले चालो जी,
झोली भरणे तांई, थाने श्याम बुलावे जी ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज - खड़ी रे नीम के नीचे...)

सुण रे भायला सगला खाटू चालस्याँ,
नाच कूदता गीन्दड़ करता, घूमर आपाँ घालस्याँ ।।

रिंगस सूं निशान उठाकर खाटू पैदल जास्याँ जी,
फागण की बरस ने सगला जाकर धोक लगास्याँ जी,
मंदरिये के आगे डेरो डालस्याँ ।।

फागणिये में सेठ साँवरो मोकलो माल लुटासी जी,
जितणो बेगो जो कोई जासी, उतणो ज्यादा पासी जी,
गठ जोड़े के सागे आपाँ चालस्याँ ।।

बेगा सा थे त्यारी करल्यो मेले की रुत आई जी,
फागणिये में थारी भगतों करसी श्याम सुणाई जी,
'हर्ष' भगत ने भी सागे ले चालस्याँ ।।

(तर्ज - धमाल)

चालो साथिड़ो थे कान्हुड़े को, पेचो रंगस्याँ जी,
गालां उपर श्याम धणी के, केशर मलस्याँ जी ।। टेर ।।

भगतां सागे साँवरियो, फागण में होली खेले जी,
भर पिचकारी कान्हुड़े को, बागो रंगस्याँ जी ।
चालो साथिड़ो.... ।। १ ।।

फागण की मस्ती में सगला, सेवक नाचे गावे जी,
मंदरिये के आगे चालो, गिन्दड़ करस्याँ जी ।
चालो साथिड़ो.... ।। २ ।।

ठण्डी ठण्डी पुरवाई, हिवड़े में आग लगावे जी,
चरणां के अमृत सूं मनड़ो, ठण्डो करस्याँ जी ।
चालो साथिड़ो.... ।। ३ ।।

भगतां पर यो श्याम रंगीलो, निज को रंग चढ़ावे जी,
प्रेम रंग की 'हर्ष' चाल के, बिरखा करस्याँ जी ।
चालो साथिड़ो.... ।। ४ ।।

(तर्ज - गोरा गोरा गाल)

छुक छुक करती रेल गाड़ी, खाटू कानी चाली जी-२
कि जै जै कार गुंजाओ जी बाबा की-२, कोई.... ।। टेर ।।

सबसूं ऊँचा श्याम धणी ने सेवक ल्याय बिठाया,
बाबाजी की करे आरती छप्पन भोग लगाया,
गूँजे बाबा की जैकार, मुल्कै बैठ्यो लखदातार-२
थारी भोत घणी सकलाई जी बाबाजी ।। १ ।।

ढोलक ढ़फली चंग मजीरा, सेवक आज बजावे,
झूमे नाचे भजन सुणावे, ठुमका घणा लगावे,
छाई फागण की बहार, होवे इत्तर की बौछार-२
थारी जै जै कार लगाई जी बाबाजी ।। २ ।।

भाँत भाँत का टेसण आवे, आवे है नर नारी,
श्याम धणी के सेवकियाँ की, सेवा होवे भारी,
माचे होली की धमाल, उड़े रंग और गुलाल-२
'हर्ष' म्हाँ पर मस्ती छाई जी बाबाजी ।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज - पणिहारी)

चंग मजीरा बाज रहया जी ''कोई नाचे नौ नौ ताल"-२
घूमर घाले जी सेवक श्याम का-२ ।। टेर ।।

फागण की छाई है बहार जी, ''उड़े रंग गुलाल"-२
धूम मचावे जी सेवक श्याम का-२ ।। १ ।।

हाथाँ के माँही ले निशान जी, ''चाले टोल्याँ लेके आज"-२
ठुमका लगावे जी सेवक श्याम का-२ ।। २ ।।

इत्तर की होवे रे बोछार जी, ''देखो किर्तन माँही आज"-२
भजन सुणावे जी सेवक श्याम का-२ ।। ३ ।।

''हर्ष" सलूणो लागे साँवरो जी ''लेवो निजराँ उतार"-२
शीश झुकावे जी सेवक श्याम का-२ ।। ४ ।।

(तर्ज - पल्लो लटके...)

झोली भरसी ओ भाया झोली भरसी,
खुल्यो है बाबा को दरबार थारी झोली भरसी ।। टेर ।।

श्याम निशान उठा हाथां में जैकारो गुँजाओ,
रस्तो पल में कट जासी जी मतना देर लगाओ ।। १ ।।

ऐसो लखदातारी म्हे तो नाय सुण्यो ना देख्यो,
पलक मूंदता बदले थारो यो करमां को लेखो ।। २ ।।

कान्हुड़े की मूरत भगतों हिवड़े बीच बसाल्यो,
सालूंसाल बुलासी थाने एक निशान चढ़ाल्यो ।। ३ ।।

''हर्ष'' कहवे फागण के माँही खाटू जो भी जावे,
श्याम धणी की किरपा सूँ बो बैठ्यो मौज उड़ावे ।। ४ ।।

(तर्ज - होलिया में उड़े रे गुलाल...)

आयो बुलावो मेरो आज, फागणिये के मेले में,
बाबो बुलायो मन्ने आज, फागणिये के मेले में ।। टेर ।।

रात नींद में सोय रहयो थो, सुपणे माँही खोय रहयो थो,
हेलो लगायो बाबो श्याम, फागणिये के मेले में ...।। १ ।।

टोल्याँ की टोल्याँ जद जावे, मेरो भी हिवड़ो ललचावे,
मैं भी तो जाके खेलूं फाग, फागणिये के मेले में ...।। २ ।।

ऐसो रंग चढ़े फागण में, ढ़पली चंग बजे फागण में,
सेवक नाचे नो नो ताल, फागणिये के मेले में ...।। ३ ।।

''हर्ष'' साँवरो मेरी सुणली, जाणे की इब त्यारी कर ली,
बेगो सो जाऊँ मैं तो आज, फागणिये के मेले में ...।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज - भरबा दे रे मदन गोपाल)

बाजण दे रे नन्दजी का लाल, मुरली बाजण दे,
नन्दरानी का बाल गोपाल, मुरली बाजण दे ।। टेर ।।

तान सुणी तो झट आई मैं दौड़ती-२,
रोतों छोड आई घरां मैं तो लाल ।। १ ।।

छलक गई रे मेरी पाणी भरी मटकी -२,
मैं तो भूली जग जंजाल ।। २ ।।

भूल गई रे कान्हा दही मैं बिलोणो-२,
मेरो हो गयो हाल बेहाल ।। ३ ।।

रंग चढ़यो रे कान्हा मेरे तो मोकलो-२,
इब नाचूं मैं नौ नौ ताल ।। ४ ।।

'हर्ष' कान्हुड़ा मैं तो होगी रे बावली-२,
बैरी हिवड़ो लियो तू निकाल ।। ५ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज - धमाल)

म्हारा पण्डित जी म्हारो हाथ देखकर आज बता द्यो जी,
कइयाँ होसी श्याम सै मिलणों, जुगत भिड़ाद्यो जी ।। टेर ।।

श्याम धणी रे दरसण ताईं, मनड़ो म्हारो तरसे जी,
जतन करो थे म्हारी भी या, आस पुराद्यो जी ।। १ ।।

कद आवेली शुभ री घड़ियाँ, कद म्हाने श्याम बुलासी जी,
पूजा पाठ करो पण म्हारो, काम पटाद्यो जी ।। २ ।।

जोग देखल्यो लिख्यो के कोन्या, श्याम को दरसण म्हाने जी,
पत्री म्हारी बाँच के म्हाने, आज सुणाद्यो जी ।। ३ ।।

आडी टेडी हाथ में म्हारे, जाणे कितणी रेखा जी,
मन्तर मार के 'हर्ष' श्याम सै, आज मिलाद्यो जी ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज - चिरमी)

जोग लिख्यो है खाटू जाणे को -२,
भाया बेगो-बेगो खाटू चाल, उडिके बाबो श्याम धणी ।। टेर ।।

रंग अबीर सूं भर लै झोली, कान्हुड़े संग खेलो होली,
भाया रंगणा है, भगतां रा गाल ।। १ ।।

ढोलक डफली चंग बजाओ, मंदरिये में धूम मचाओ,
भाया खाटू मांही, मची रे धमाल ।। २ ।।

फागणिये में श्याम बिहारी, माल लुटासी मोकलो भारी,
भाया कर देसी, मालामाल ।। ३ ।।

'हर्ष' श्याम की ध्वजा चढ़ाजे, म्हारे नाम की धोक लगाजे,
भाया जावेलो तू, सालूं साल ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : पणिहारी)

मेलो भर्‌यो है थारो जोर को जी, ''आया भगत अपार''-२,
फागण आग्यो जी ओ बाबा श्याम जी ।। टेर ।।

उत्सव मण्डया है चारों मेर जी , ''थारी होवे जै जैकार''-२,
फागण आग्यो जी ओ बाबा श्याम जी ।। १।।

ध्वजा उड़े है असमान जी, ''थारा लहरावे निशान''-२,
फागण आग्यो जी ओ बाबा श्याम जी ।। २ ।।

रंग बसन्ती छा गयो जी, ''खेलां रंग गुलाल''-२,
फागण आग्यो जी ओ बाबा श्याम जी ।। ३ ।।

'हर्ष' खड़्योहैझोलीमाण्डकेजी, ''बाबाराखोमेरीलाज''-२,
फागण आग्यो जी ओ बाबा श्याम जी ।। ४।।

(तर्ज : मेलो तो देखबा न जाबा दे ओ रसिया)

इबकी तो श्यामजी के ''जाबा दे ओ रसिया"-२,
इबकी तो श्यामजी के जायबा दे ।। टेर ।।

श्याम धणी री ढोला, ओल्यूँ घणी आवे-२,
तो बेगो सो टिकट ''कटादे ओ रसिया"-२,
इबकी तो श्याम जी के जायबा दे ।। १ ।।

साँवली सुरत म्हारे, हिवड़े में बसगी-२,
तो म्हाने भी दरस ''करादे ओ रसिया"-२,
इबकी तो श्याम जी के जायबा दे ।। २ ।।

खाटू नगरिया जास्यूँ, मन म्हारो तरसे-२,
तो म्हारी भी आस ''पुरादे ओ रसिया" -२,
इबकी तो श्याम जी के जायबा दे ।। ३ ।।

भगतां रे सागे 'हर्ष', रोजिना तू जावे-२,
तो एकर म्हाने भी ''पुगादे ओ रसिया"-२,
इबकी तो श्याम जी के जायबा दे ।। ४।।

(तर्जः धरती धोरां री)

मेलो आयो रे, मेलो आयो रे, मेलो आयो रे,
मेलो आयो भगतों चालो, हेलो मारे खाटू हालो,
बेगा जाकर घूमर घालो, मेलो आयो रे ।। टेर ।।

देखो चाली दुनियाँ सारी-२, हेलो मारे लखदातारी,
बेगा चालो करल्यो त्यारी, मेलो आयो रे,
रिंगस सूँ निशान उठास्याँ-२, खाटू पैदल सगला जास्याँ,
जाके मन्दिर ध्वजा चढ़ास्याँ, मेलो आयो रे... ।। १ ।।

बाबो माल लुटासी भारी-२, आई है लुटण की बारी,
झोली भर देसी दातारी, मेलो आयो रे,
जाके रंग गुलाल उड़ास्याँ-२, खाटू माँही धूम मचास्याँ,
मीठा मीठा भजन सुणास्याँ, मेलो आयो रे... ।। २ ।।

गूँजे भगताँ की किलकारी-२, मुल्के साँवरियो गिरधारी,
जाँकी लीला जग सूँ न्यारी, मेलो आयो रे,
सागे 'हर्ष' ने भी ले जास्याँ-२, ढोलक ढपली चंग बजास्याँ,
होली की धमाल मचास्याँ, मेलो आयो रे... ।। ३ ।।

(तर्जः रंग मत डारै रे सांवरिया)

छम छम नाचे रे साँवरिया, तेरो लीलो नाचे रे
गल पटिये रा रुण झुणिया तो, रुण झुण बाजे रे ।। टेर ।।

लीलो रंगीलो तेरो भगतां रे मन भायो रे-२,
ठुमक ठुमक कर नाचे कैसो रंग जमायो रे ।। १ ।।

होय मतवालो छैलो हिन हिन करतो चाले रे-२,
श्याम धणी के मंदरिये में घूमर घाले रे ।। २ ।।

श्याम बिहारी तेरो लीलो जग सूं न्यारो रे-२,
उछल उछल कर नाचे म्हाने लागे प्यारो रे ।। ३ ।।

श्याम सलूणो बैठ्यो मंद मंद मुस्कावे रे-२,
'हर्ष' तेरे लीले पर बाबा वारी जावे रे ।। ४ ।।

(तर्ज : चाल चन्दा डागलिये पर)

चाल गोरी फागणिये में दोनू खाटू चालां ऐ-२,
कोई झुक झुक धोक लगास्याँ ऐ बाबा के -२ ।। टेर ।।

थारे सागे खाटू चालूँ फागणिये में ढोला जी-२,
कोई गठजोड़े सूँ जास्याँ जी बाबा के-२... ।। १ ।।

दर्जीड़े के जाकर थे निशान सिमाल्यो जी-२,
कोई मंदिर शिखर चढ़ास्याँ जी बाबा के... ।। २ ।।

पंसारी के जाकर ढोला मेवा मिसरी ल्याज्यो जी-२,
कोई जाकर भोग लगास्याँ जी बाबा के ...।। ३ ।।

हलवाई से देसी घी का लाडू थे बणवाल्यो जी -२,
कोई सवामणी म्हे लगास्याँ जी बाबा के...।। ४ ।।

सुनारा सूं 'हर्ष' जाके, छत्तर थे ले आज्यो जी -२,
कोई दर पे जाय चढ़ास्याँ जी बाबा के...।। ५ ।।

(तर्ज : दर्जी सीम दे निशान)

फागणिये की मस्ती में, नाचागां गावागां-२
होली खेलस्याँ ओ बाबा थारे रंग लगावागाँ ।। टेर ।।

भांत भांत का रंग मंगाया, सोने की पिचकारी,
बाबा जी के रंग लगावां, सगला बारी बारी,
ना मानो तो बाबा थाने आज मनावागाँ ।। १ ।।

फाग सुणावां धूम मचावां, एक सुणां ना थारी,
प्रेम रंग में रंग देस्यां, थाने म्हें आज बिहारी,
ना छूटेलो ऐसो पक्को रंग लगावागाँ ।। २।।

ढ़ोलक ढ़पली चंग बजावां, बाबा ने रिझावाँ,
ठण्डाई में घोट घोट के, थाने भंग पिलावाँ,
घणे चाव सूं थाने छप्पन भोग जिमावागाँ ।। ३ ।।

बाबा जी के भांग चढ़ी जी, चिमटो ''हर्ष'' बजावे,
भगतां सागे नाचे गावे, अमृत रस बरसावे,
मस्ती के पावन सागर में गोता खावागाँ ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : चिरमी)

चाव चढ़यो है मोकलो जी-२,
कोई नाचे भगत अपार,
बाबाजी थारे किर्तन में ।। टेर ।।

सोणो सो दरबार लग्यो जी, फूलां रो सिणगार सज्यो जी,
कोई उड़ रह्या इत्तर फुहार, बाबाजी थारे किर्तन में ।। १ ।।

टाबरिया थारी जोत जगाई, भोग लगायो धोक लगाई,
कोई गावे मंगलाचार, बाबाजी थारे किर्तन में ।। २ ।।

ग्यारस की या रात सुहाणी, सेवकियां री प्रीत पुराणी,
कोई हो रही जै जै कार, बाबाजी थारे किर्तन में ।। ३ ।।

'हर्ष' बजावां चंग सुरीला, थाने रिझावाँ श्याम रंगीला,
कोई निरखां बारम्बार, बाबा जी थारे किर्तन में ।। ४ ।।

(तर्जः धमाल)

राधा कान्हुड़े पर केशर छिड़के छज्जे पे खड़ी,
सांवरिये की पीली-पीली रंग दीन्ही पगड़ी ।। टेर ।।

श्याम बिहारी मुरली बजावे, मीठी तान सुणावे जी,
छज्जे पर बृषभान दुलारी, थिरके घड़ी-घड़ी ।। १ ।।

नीचे आजा गोरी तन्ने, होली आज खिलास्यूं ऐ,
मनड़ो म्हारो क्यूँ तरसावे, उपर चढ़ी-चढ़ी ।। २ ।।

म्हासूं ज्यादा थाने कान्हा, थारी मुरली प्यारी जी,
होठां उपर थारे सोहे, मुरली घणी बड़ी ।। ३ ।।

सांवरियो यूं बोले प्यारी, तानो मत ना मारे ऐ,
मुरली के खातिर तू म्हासूं, कईयां लड़ी-लड़ी ।। ४ ।।

मुरली तो होठां पर सोवे, 'हर्ष' सांवरो बोले जी,
म्हारी हर धड़कन मे राधा, तूही बसी पड़ी ।। ५ ।।

(तर्जः माताराानी फल देगी)

जिनको बुलाये लखदातार
वो फिर नाचे बीच बाजार ।। टेर।।

फागुन में जो रंग बरसे,
जाने को ये मन तरसे-२,
आ जाये जिसका समाचार ।। १।।

जिसका बुलावा आता है,
श्याम मगन हो जाता है-२,
भूल के अपना कारोबार ।। २।।

ले निशान दर वो जाये,
मन इच्छा फल वो पाये,
झोली भर देता सरकार ।। ३।।

''हर्ष'' जो मन से ध्यान धरे,
खाटू को प्रस्थान करे-२,
उनको हो जाता दीदार ।। ४।।

भक्तों रे चालो श्याम की नगरिया-२,
हाथा माहीं निशान उठा, श्याम धणी को ध्यान लगा,
चालो रे... ।। टेर।।

रंग रंगीलो फागण आयो, श्याम धणी तन्ने आज बुलायो,
बेगो बेगो खाटू जा, श्याम धणी को ध्यान लगा ।। १।।

रंग अबीर से भरल्यो झोली, बाबा से जा खेलो होली,
सांवरे के मुख पे गुलाल लगा, श्याम धणी को ध्यान लगा ।। २।।

केशर की भर के पिचकारी, रंग दीजे म्हारो श्याम बिहारी,
मेले माही धूम मचा, श्याम धणी को ध्यान लगा ।। ३।।

श्याम धणी के पैदल चालो, पत राखे पत राखण हालो,
'हर्ष' ने भी सागे ले जा, श्याम धणी को ध्यान लगा ।। ४ ।।

(तर्जः ताऊ बाँधले सामान)

छोटा छोटा हाथां से निशान चढ़ाऊँगा-२,
ओ मम्मी, करदे तू तैयार मैं तो खाटू जाऊँगा ।। टेर ।।

गुल्लक तोड़के पीसा काडया, रेशमी कपड़ो ल्यायो,
छोटी सी इक डांडी लेकर, एक निशान बणायो,
रिगंस सू डैडी के सागे पैदल जाऊगाँ-२ ।। १ ।।

भांत भांत का रंग मंगादे, भरस्युं मै पिचकारी,
फागण के मेले में जाके, रंगस्युं श्याम बिहारी,
सांवरिये के गालां उपर रंग लगाऊगाँ-२ ।। २ ।।

चिंकी-पिंकी चुन्नू-मुन्नू, सगला खाटू जावे,
मेरी भी मां करदे त्यारी, मेरो जी ललचावे,
यार भायला के सागे जा, मौज उड़ाऊँगा-२ ।। ३ ।।

पाछो आकर करूँ पढ़ाई, चोखा नम्बर ल्याऊँ,
मेरिट लिस्ट में अबकी मम्मी, मेरो नाम लिखाऊँ,
''हर्ष'' सांवरे की किरपा सूं, अव्वल आऊँगा ।। ४ ।।

पैरोडी - चालो चालो खाटू धाम

(तर्ज - धरती धोराँ री...)

मेलो आयो रे, मेलो आयो रे, मेलो आयो रे,
मेलो आयो भगतों चालो, हेलो मारे खाटू हालो,
बेगा जाकर घूमर घालो, मेलो आयो रे, मेलो आयो रे ।।

(तर्ज - बन्ना रे बागाँ में)

मनड़े में, भाव गुलाबी भरग्या-२, म्हारो मनड़ो, म्हारो जिवड़ो...
''म्हारो हिवड़ो घणो हरषायो''-२,'' म्हारा श्याम धणी''-२ ।।

घर घर में, उत्सव होवण लाग्या-२,
थारा पायकाँ ने, थारे सेवकाँ ने...
''थारे टाबराँ ने खाटू बुलाल्यो''-२,''बाबा श्याम धणी''-२ ।।

(तर्ज - साँवरिया आपाँ होली तो खेलां जी)

बासन्ती झोंको, सन्देशो ल्यायो जी-२
मेलो देखण ताँई, थाने श्याम बुलायो जी-२ ।।

पैरोडी - चालो चालो खाटू धाम

(तर्ज - मोरिया)

''भायलो, हिवड़े में उठे म्हारे हूक सी''-२,
हूक सी, हूक सी, चालो चालाँ जी रे बाबा जी के धाम
भायलो हिवड़े में उठे म्हारे हूक सी ।।

(तर्ज - खड़ी रे नीम के नीचे)

इबकी बार तो सगला खाटू चालस्याँ
टाबर टीकर यार भायला, सगला न ले चालस्याँ
सगला न ले चालस्याँ, सगला न ले चालस्याँ-२
कुटुम्ब कबीलो संगी साथी, सगला न ले चालस्याँ-२ ।। टेर ।।

(अन्तरा)

सबसूँ पहल्याँ खाटू जी की, आपाँ टिकट कटास्याँ जी,
फागणिये में श्याम धणी की, सगला किरपा पास्याँजी,
मन्दरिये के आगे घूमर घालस्याँ,
टाबर टीकर यार भायला, सगला न ले चालस्याँ-२।।

पैरोडी - चालो चालो खाटू धाम

(तर्ज - चन्दा बरणी सूरत थारी)

प्यारो सो तू सीम दे दरजी, म्हारो एक निशान रे,
खाटू माहीं बाट उड़ीके, म्हारो बाबो श्याम रे ।। टेर ।।

(तर्ज - आओ जी आओ म्हारा हिवड़े रा पावणा)

लेकर निशान चालो बाबा जी के धाम जी-२
भगताँ ने सेठ साँवरो पार लगावे जी,
ओऽऽऽ फागण में जावे वो तो मौज उड़ावे जी,
लेकर निशान चालो बाबा जी के धाम जी ।।

(तर्ज - कान्हूड़ा लाल घड़लो म्हारो..)

रूत फागणिये की रंग रंगीली आई जी,
होऽऽऽ भगताँ को न्यूतो लेकर आई जी,
रूत फागणिये की रंग रंगीली आई जी ।।

(तर्ज- पल्लो लटके)

सेवक नाचै जी ओ सारा पायक नाचै जी
कि लेकर-३, हाथाँ में निशान सारा सेवक नाचै जी ।।

(अन्तरा)

खाटू जाणे ताँई सगला टेसण कानी जावै
मीठा-मीठा भजन सुणावे जै जैकार लगावे
उठाकर-३, हाथाँ में निशान सारा सेवक नाचै जी
सेवक नाचै जी ओ सारा पायक नाचै जी-२ ।। १ ।।

(तर्ज- सुनले ओ जानेवाले बाबा से कहना..)

''सुणल्यो ओ साथीड़ो थे''-२, बाबा सूँ कहिज्यो-२
म्हाने भी खाटू बुलाल्यो, ओ बाबाजी थे म्हाने भी खाटू बुलाल्यो ।।

पगल्या उभाणा बाबा, दोड़्यो दोड़्यो आऊँला-२
म्हाने भी खाटू बुलाल्यो, ओ बाबाजी थे म्हाने भी खाटू बुलाल्यो ।।

''सुणल्यो ओ साथीड़ो थे''-२, बाबा सूँ कहिज्यो-२
म्हाने भी खाटू बुलाल्यो, ओ बाबाजी थे म्हाने भी खाटू बुलाल्यो ।।

(अन्तरा)

सबने बुलाया म्हाने, कईयाँ भुलाया-२
म्हारी खता है कांई, थे बिसराया-२
''घुट घुट के रो रो कर के''-२, मैं मर जाऊँला-२
म्हाने भी खाटू बुलाल्यो, ओ बाबाजी थे
म्हाने भी खाटू बुलाल्यो ।।

(तर्ज- उड़-उड़ रे म्हारा काला रे कागला)

सुण - सुणरे, सुण – सुणरे, सुण - सुणरे म्हारे बाबा ने तू कहिजे,
टाबरिये न कंईया भुलाय दिन्हों, म्हाने भी खाटू बुलाय लिज्यो-२ ।।

(तर्ज - एक बार आओजी जवाँई घर पावणा)

खाटू की गाडी की देखो सिटी बाजण लागी-२
चाली चाली रे बाबा जी के धाम, या गाड़ी चाली रे-२
भगताँ के हिवड़े के मांही आनन्द बरसण लाग्यो-२
सैं के होठां पे बाबाजी को नाम, या गाडी चाली रे-२
खाटू की गाडी की देखो सिटी बाजण लागी-२ ।।

(तर्ज- गोरा गोरा गाल थारे)

छुक-छुक करती रेल गाड़ी खाटू कानी चाली जी-२
कि जै-जैकार लगाओ जी बाबा की-२, कोई.. ।।
गठजोड़े से खाटू चालाँ, जाके घूमर घालाँ जी-२
कि जै-जैकार गुँजास्याँ जी बाबा की-२, कोई.. ।।

(अन्तरा)

सबसूँ ऊँचा श्याम धणी न सेवक ल्याय बिठावे-२
बाबाजी की करे आरती, छप्पन भोग लगावै-२
गुँजे बाबा की जैकार, मुल्कै बैठ्यो लखदातार-२
भगताँ पे मस्ती छाई जी बाबाजी-२, छुक-छुक करती ...।।

(तर्ज- ढ़ोला ढ़ोल मजीरा..)

भगतों नहाय धोय कर चालो रे
रिंगस सूँ निशान उठा कर खाटू चालो रे ।।

पूजा कर निशान उठाल्यो, रथ की शोभा भारी-२
गणपति हनुमत संग विराजे बाबो लखदातारी-।
सगला मिल कर घूमर घालो रे,
रिंगस सूँ निशान उठा कर खाटू चालो रे ।।

(तर्ज-धमाल)

जाके देख ले खाटू नगरी भगताँ के साग रे, जाके देख ले-२
फागणिये में श्याम धणी को-२, मेलो लागे रे, जाके देख ले

(अन्तरा)

भाँत भाँत की सजी दुकानाँ, हिवड़ो घणो लुभावे रे-२,
श्याम धणी की खाटू नगरी-२, मनड़े भावे रे, जाके देख ले ।।

श्याम कुण्ड में नहाय धोय कर सगला पाप मिटावे रे -२,
स्याम बगीची का दर्शन कर -२, मन हरषावे रे, जाके देख ले ।।

लाखाँ सेवक मन्दरिये पर जाय निशान चढावे रे-२,
हारे के साथी की सगला-२, किरपा पावे रे, जाके देख ले ।।

(तर्ज- घूमर)

ओ म्हाने मन्दरियो प्यारो प्यारो लागे बाबा श्याम-२,
दरशण करबाँ म्हे आया, ओ बाबा-२।।

ओ थारे भगताँ ने राजी राजी राखो बाबा श्याम-२,
दरशण करबाँ म्हे आया, ओ बाबा-२ ।।

(तर्ज - पणिहारी)

चंग मजीरा बाज रह्या जी ''कोई नाचै नौ नौ ताल''-२
घुमर घाले जी, सेवक श्याम का -२
फागण की छाई है बहार जी, ''उड़े रंग गुलाल''-२
धूम मचावै जी, सेवक श्याम का-२ ।।

(थाने काजलियो बणाल्यूँ)

बेगा चालो सगला भाई, बाबो कर लिन्ही सुणाई-२
देख खाटू नगरिया आयगी, हो ऽऽऽऽ-२ ।।

(तर्ज - चिरमी रा डाला चार)

कोई नाचे भगत अपार, बाबाजी थारी नगरी में-२ ।।

भगता बजावे चंग सुरीला, थानै रिझावै श्याम रंगीला
''कोई उड़ रह्या ईत्तर फुहार''-२,
बाबाजी थारी नगरी में-२ ।।

कोई नाचे भगत अपार, बाबाजी थारी नगरी में-२ ।।

पैरोडी - चालो चालो खाटू धाम

(तर्ज - रुपियो तो ले मै मालीड़े के गई थी)

पेट पिलाणी करता मन्दरिये में आया-२
मन्दरिये में शीश नवाया जी, नवाया जी,
शिखर निशान चढाया जी-३ ।।

घणो सजीलो बाबा रूप थारो देख्या-२
नैणा माहीं म्हारे आँसू आया जी, आया जी,
बाबा थारा दरशण पाया जी-३ ।।

(तर्ज - होलीयाँ में उड़े रे)

रात जगाई थारा दास, फागणिये की ग्यारस ने-२
जोत जगाई थारी आज, फागणिये की ग्यारस ने-२ ।।

बारस के दिन न्हाय धोय कर, खीर चूरमों थाल सजा कर,
''धोक लगाई बाबा श्याम''-२, फागणिये की बारस ने-२ ।।

(बिदाई तर्ज- श्याम अलबेलो)

दोहा - लेवाँ बिदाई साँवरा, हिवड़ो करे पुकार ।
थाँ बिन कँईया आवड़े, साँवलिया सरकार ।।

(अस्थाई)

आँख्या भर आई, आँख्या भर आई-२
फागण की बारस बीती -२, होसी बिदाई
आँख्या भर आई, आँख्या भर आई-२

फागण के मेले माहीं, घणो सुख पायो रे-२
जाँवती बखत म्हारो, हियो भर आयो रे-२
कैंयाँ म्हे सह पाँवाला-२, थासूँ जुदाई,
आँख्या भर आई, आँख्या भर आई-२ ।।

राजी राजी जा रे बेटा, मनड़ो क्यूँ डोले है-२
''हर्ष'' तेरे मन की जाणू, साँवरो यूँ बोले है-२
बेगो बेगो आतो रहिजे-२, करस्यूँ सुणाई
आँख्या भर आई, आँख्या भर आई-२ ।।

फागण की बारस बीती-२, होसी बिदाई
आँख्या भर आई, आँख्या भर आई-२ ।।

(धमाल) (फागण)

छुट्टी देदे साहुकार मन्ने खाटू जाणो है,
फागणिये में श्याम धणी सूं कोल निभाणो है ।। टेर ।।

कोल कर्‌यो थो श्याम धणी सुं हर फागण मै आस्युँ जी,
फागण की ग्यारस ने जाके शीश झुकाणो है ।। १ ।।

दो महनां की तनखा मन्ने आज अगाऊ दे दे रे,
खीर चूरमो सवामणी को भोग लगाणो है ।। २ ।।

एक बरस तक सेठ तेरे सूं छुट्टी कोन्या मांगुला,
अगले फागणिये तक तेरो हुकम बजाणो है ।। ३ ।।

पौ बाराह हो जावेला तु मेरे सागे चाल जरा,
सेठां को बो ''हर्ष'' बावला सेठ पुराणो है ।। ४ ।।

(धमाल)

बाबा श्याम का निशान उड़े रे असमान,
बेगो सो तू चाल बावला के सोचे नादान ।। टेर ।।

चारूं कानी रंग रंगीली श्याम ध्वजा लहरावे जी
श्याम धणी के दरसन तांई चाल्यो सकल जहान ।। १ ।।

पगां उघाणा चाले कोई कोई पेट पिलाणी जी
बड़ा-बडेरा सागे चाले टाबरिया नादान ।। २ ।।

मस्त होयकर सगला नाचे चंग मजीरा बाजे जी
भजनां को रसपान करे जी सगला एक समान ।। ३ ।।

''हर्ष'' श्याम का जै जै कारा आकाशा में गूँजे जी
फागण के मेले की भगतो याही एक पिछाण ।। ४ ।।

(तर्ज - मोरिया)

भायलो, हेलो लगावे देखो ''साँवरो"-३,
चालो चालो रे-३, मेले के मांही आज भायलो,
हेलो लगावे देखो साँवरो ।। टेर ।।

भायलो, फागण को मेलो भर्‌यो जोर को,
लेल्यो लेल्यो रे-३, हाथां में थे निशान भायलो,
हेलो लगावे देखो साँवरो... ।। १ ।।

भायलो, खाटू में जाके होली खेलस्याँ,
भरल्यो भरल्यो रे-३, झोली में रंग गुलाल भायलो,
हेलो लगावे देखो साँवरो... ।। २ ।।

भायलो, ढफली-मजीरा चंग बाजर्‌या,
घालो घालो रे-३, खाटू में घूमर जाय भायलो,
हेलो लगावे देखो साँवरो... ।। ३ ।।

भायलो, ''हर्ष" भगत ने मतना भूलज्यो,
उठे उठे रे-३, हिवड़े में म्हारे हूक भायलो,
हेलो लगावे देखो साँवरो... ।। ४ ।।

(धमाल) (छेड़छाड़)

मतना मारो जी मुरारी म्हापे रंग कि पिचकारी,
रस्तो छोड़ो रीस करेगी नणदल रामारी ।। टेर ।।

नई नवेली गूजरी मैं आज बिरज में आई जी,
दोराणी जिठाणी म्हासुं लड़सी जी भारी ।। १ ।।

सखी सहेल्याँ आगे चलगी पण मैं रहगी लारे जी,
रस्तो भूल गई सांवरिया मैं तो बेचारी ।। २ ।।

बालमड़ो मेरो आँख दिखावे जेठ मनै धमकासी जी,
सासु सुसरो ताना देसी म्हाने गिरधारी ।। ३ ।।

पिचकारी सुं तन थे रंगस्यो ''हर्ष'' गूजरी बोले जी,
रोम रोम मेरो रंग्यो पड़यो है थासुं बनवारी ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : लागे वृन्दावन नीको)

मंदरियो प्यारो प्यारो लागे, बाबा थारो
मंदरियो प्यारो लागे ।। टेर ।।

ऊँचे सिंहासन आप बिराजो, मोर मुकुट सिर साजे ।
बाबा थारो ... ।। १ ।।

मकराणे को बण्यो है देवरो, मोर पपीहो नाचे ।।
बाबा थारो ... ।। २ ।।

केशर टीको मस्तक सोवे,काना कुण्डल साजे ।
बाबा थारो ... ।। ३ ।।

गोपीनाथ जी को माय बसेरो, हनुमत डयोढ़ी आगे ।।
बाबा थारो ... ।। ४ ।।

''हर्ष'' दिवानो शीश झुकावे, श्याम धणी थारे आगे ।
बाबा थारो ... ।। ५ ।।

(धमाल) (शिकायत)

मारी कांकरी कान्हुड़ो मटकी फोड़ दीन्ही माँ,
मैं बरजी तो पकड़ आंगली मोड़ दीन्ही माँ ।। टेर ।।

पाणी भरके आँवती को गेलो मैया रोक्यो ऐ,
हाथ तेरे जुलमी के आगे जोड़ दीन्ही माँ ।। १ ।।

लाखां मिन्नत कीन्ही मैया एक ना मेरी मानी ऐ,
हाल मेरो बेहाल बणाकर छोड़ दीन्ही माँ ।। २ ।।

मटकी उपर मटकी मैया आँख में ऐकें खटकी ऐ,
चार चार मटकी मरजाणो तोड़ दीन्ही माँ ।। ३ ।।

कब्जो भीज्यो चोली भीजी भीज गई माँ साड़ी ऐ,
''हर्ष'' ओढ़णी खेंच निगोड़ो ओढ़ लीन्ही माँ ।। ४ ।।

(धमाल) (सिणगार)

मुख सुं बोल दे सांवरिया तन्ने कुण सजायो रे,
देख तेरे सिणगार ने चन्दा भी शरमायो रे ।। टेर ।।

मोर मुकुट कानां में कुण्डल गल बैजन्ती सोवे रे,
केशरिया टीको माथे पर खूब लगायो रे ।। १ ।।

बाजु बन्द बड़ा ही सोणा हाथ मे कंगन खनके रे,
तु चितचोर चुराके मनड़ो क्युँ मुस्कायो रे ।। २ ।।

पीत वसन पर फैंटो सोवे होठां मुरली प्यारी रे,
जादुगारो रूप निरख मनड़ो हर्षायो रे ।। ३ ।।

नजर सांवरा लग ना जावे ''हर्ष'' बड़ो घबरावे रे,
याही सोचकर कालो टीको आज लगायो रे ।। ४ ।।

(धमाल) (उत्सव)

लेकर मोरछड़ी हाथां में तेरा सेवक नाचे रे,
श्याम तेरे किर्तन में ढ़ोलक ढ़पली बाजे रे ।। टेर ।।

कार्तिक महीने सुं भगतां को चोखो जमघट लागे रे,
श्याम तेरे मेले तक सगला, रात्युँ जागे रे ।। १ ।।

ज्युँ ज्युँ फागण नेड़े आवे रंग तेरो परवान चढ़े,
श्याम नाम का चंग मजीरा, घर घर बाजे रे ।। २ ।।

''हर्ष'' कहवे फुलां रो तेरो सोणो सो सिणगार सजे
श्याम तेरो दरबार बड़ो ही, प्यारो लागो रे । ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : धमाल)

धीमो चाल रे साथिड़ा, म्हारा पगल्या दुखे रे,
लाय बरसती भरी दोपहरी, मुण्डो सुखे रे ।। टेर ।।

एक हाथ में ध्वजा श्याम की, दूजे हाथ में डोरी रे,
खेंच के चालु आंगलिया की, पोरी धूजे रे ।। १।।

तू तो जबर जवान बावला, मैं तो ठहस्यो बूढो रे,
जोर लगाकर चाल्याँ सै, पिण्डलिया सूजे रे ।। २।।

काली कोसां खाटू हाले, श्याम धणी को ठीडो रे,
एक मिनट में भगत बिचारो, कइयां पुगे रे ।। ३।।

सगला ने यो पार लगावे, देव बड़ो दातारी रे,
'हर्ष' भला अइयाँ ही कोनी, दुनिया पूजे रे ।। ४।।

(तर्ज : धरती धोरां री...)

फागण पाछे श्याम बिहारी, म्हानै याद सतावे थारी,
झर-झर आँख्या बरसे म्हारी, ओल्यूं आवे जी..।। टेर ।।

फागणिये में खेल्यो रंग, होऽऽऽ-२, माची होली की हुड़दंग,
बाज्या ढोलक, ढफली, चंग, ओल्यूं आवे जी-२,
इब तो फीको-फीको लागे, कार्तिक पाछे सगला जागे,
ओज्यूं जमघट थारे लागे, ओल्यूं आवे जी...।। १ ।।

गूंजे काना में जयकारा, होऽऽऽ-२, थारे भजनां का फटकारा,
बरसी अमृत रस की धारा, ओल्यूं आवे जी-२,
इब तो सोग्या सेवक थारा, खोग्या काम काज मैं सारा,
ठण्डा पड़ गया किर्तन थारा, ओल्यूं आवे जी...।। २ ।।

थारे भजनां की बै कड़ियां, होऽऽऽ-२, ज्यामें भाव भर्‌या था बढ़िया,
कइयां टूटी सगली लड़ियां, ओल्यूं आवे जी-२,
सोया भगतां ने जगाओ, भजनां की रमझोल मचाओ,
बोले 'हर्ष' थे बेगा आओ, ओल्यूं आवे जी...।। ३ ।।

(तर्ज डोरी खेंच के राखिजो...)

ढ़ीली छोड़ियो ना डोरी,सम्भालता चालो,
हाथां में निशान लेके नाचता चालो ।।

पैदल चाले पगां चलणिया, पसर के जावे पेट पलणिया,
थे भी टोलियाँ बणाके घूमर घालता चालो ।।

थक जावे कोई भगत घणेरो, टाबर हो या बड़ो बडेरो,
बाँकी थाम के कलाई सागे चालता चालो ।।

माँ भैणा को साथ न छोड़ो, श्याम निशान ले मतना दौड़ो,
सगला सांवरे ने भजन सुणावता चालो ।।

श्याम ध्वजा की गरिमा जाणो, जूठो हाथ कदे ना लगाणो,
''हर्ष'' धरती से बचाके थे उछालता चालो ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : होलिया में उड़े रे गुलाल...)

चंग बाजे रे चारू मेर, ल्यो आय गयो फागणियो,
गूंजे रे भजनां की टेर, ल्यो आय गयो फागणियो ।। टेर ।।

कार्तिक शुक्ला ग्यारस पाछे, गली गली में सेवक नाचे,
आई नाचण की बेर, ल्यो आय गयो फागणियो ।। १।।

घर घर किर्तन होवण लाग्या, खाटू जावण का दिन आग्या,
होल्यो थे भगतां के लेर, ल्यो आय गयो फागणियो ।। २।।

श्याम मगन है दुनिया सारी, श्याम निशान की करके त्यारी,
बेगा उठाल्यो कांई देर, ल्यो आय गयो फागणियो ।। ३।।

हेलो मार के श्याम बुलावे, 'हर्ष' श्याम की गाड़ी जावे,
पाछे चालोगा कद फेर, ल्यो आय गयो फागणियो ।। ४।।

(तर्ज : सिर पर टोपी लाल...)

चालो भगतो बाट उडीके, श्याम धणी दातार,
बुलावे खाटू में ।। टेर ।।

फागण को मेलो आयो, बाबा को हेलो आयो, सुणले रे भायला,
बेगो सो करले त्यारी, मतना लगावे देरी, सोचे के बावला,
भर देसी भण्डार तेरा यो सांवरियो सरकार ।।
बुलावे खाटू में... ।। १ ।।

मेलो भर्‌यो है भारी, ध्यावै है दुनिया सारी, श्याम सरकार ने,
मंशा पुरावे भारी, विपदा मिटेगी सारी, श्याम दरबार मे,
मतना करे उंवार, भायला जाके हाथ पसार ।।
बुलावे खाटू में... ।। २ ।।

मित्र मण्डल की गाडी, हावड़ा में आके लागी, बैठ जरा चालके,
'हर्ष' पजामा चोला, पेटी में सोणा सोणा, लेले तू घाल के,
आयो है फरमान, उठाले हाथां माहीं निशान ।।
बुलावे खाटू में...।। ३ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : श्याम थारी ओल्यूं आवे जी...)

छमा छम घुँघरूं बाजे जी,
अजी, ढुमक ढुमक कर बाबा थारा सेवक नाचे जी ।। टेर ।।

रतन सिंहासन आप विराजो, खाटू का सरदार, साँवरा...
केशरियो टीको माथे पर गल बैजन्ति हार,
कानां में थारे कुण्डल साजे जी ।। १ ।।

चम्पा जूही और मोगरा गजरां की भरमार,साँवरा...
पचरंगी बागे पर होवे इत्तर की बौछार,
शीश थारे मुकुट विराजे जी ।। २ ।।

सुरंगा सी झाँकी ने बाबा निरखां बारम्बार, साँवरा...
जादुगारी ई चितवन पर 'हर्ष' भगत बलिहार,
म्हाने तो सुपणो सो लागे जी ।। ३ ।।

(तर्ज : धमाल)

माची मंदिर में बाबा जी थारे होली की हुड़दंग,
कोई तो मारे भर पिचकारी, कोई लगावे रंग ।। टेर ।।

केशर चंदन और केवड़ो लाल गुलाल घुलायो जी,
ठण्डाई के मांही मिलाई, आज जरा सी भंग ।। १ ।।

भजना की सुरताल पे सगला, टेर सूं टेर मिलावे जी,
छम छम नाचे मस्ताना, और बाज रह्या है चंग ।। २ ।।

होली की मस्ती में थारो, लीलो घोड़ों झूमे जी
उछल उछल कर नाचे देखो, हो गयो मस्त मलंग ।। ३ ।।

ऐसी होली आज तलक म्हें 'हर्ष' कदे ना देखी जी,
तिरलोकी को नाथ नाच रह्यो, निज भगतां के संग ।। ४ ।।

श्री श्याम वन्दना

(तर्ज : टूटे बाजुबन्द री लूम)

उडे आकाशां निशान, शोभा कोन्या वरणी जाय,
आयो फागणियो रंगीलो चालो खाटू जी के माय,
चालो चालो रे साथिड़ा, हालो हालो रे साथीडा ।।
आयो फागणियो ... ।। टेर ।।

गूंजे ढफली की तान, याही फागण की पिछाण,
मीठे भजनां को पान, करल्यो श्याम को गुणगान,
झाला दे दे करके भगतो थाने सांवरियो बुलाय ।।
चालो चालो रे... ।। १ ।।

चाली फागण की बयार, बाबा श्याम जी के द्वार,
लेके हो जाओ तैयार, टाबर टीकरां के लार,
चालो श्याम धणी को झण्डो थारे हाथां में उठाय ।।
चालो चालो रे... ।। २ ।।

'हर्ष' मेलो भर्‌यो विशाल, नाही दूजी कोई मिसाल,
उडे रंग और गुलाल, माची होली की धमाल,
कोई रंग दीज्यो थे कान्हुड़े ने मंदरिये के माय ।।
चालो चालो रे... ।। ३ ।।